

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

स्वास्थ्य के लिए संगीत, कला एवं योग का समन्वय आवश्यक:

के लिए युवाओं को योग
आवश्यकता: प्रो. गिरि

रण न्यूज, सागर

दिवस का आयोजन प्रो. आनन्द प्रकाश शिक्षा अध्ययन शाला के अधिष्ठाता एवं जीएस गिरि की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। साहित्य एवं योग को संपूर्ण स्वास्थ्य के योगी बताते हुए मन को संतुलित रखने की ला, साहित्य एवं योग द्वारा व्यक्ति मन पर कर सकता है। मानसिक एवं मनोकायिक आज के युवा वर्ग को योग के विभिन्न किया। मनोमूलं जगत् सर्वम् अर्थात् संपूर्ण ही प्रतिभासित होता है। अतः हमें मन पर ही इच्छानुसार चलाने के लिए प्रयासरत सकलता का सोपान भी है।

स्वागत करते हुए अपने वक्तव्य में कहा ग दौड़ की जिन्दगी में प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी मानसिक रोग से ग्रस्त तरीके अनेक प्रकार के रोगों के निवारणार्थ हैं क्योंकि इन्हें प्रत्येक स्तर का व्यक्ति कारण से विधियां उत्तम हैं। इस कार्यक्रम



में प्रौढ शिक्षा विभाग के डॉ. संजय शर्मा एवं संस्कृत विभाग के डॉ. शशि कुमार ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने प्रोग्राम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को समाज के कल्याणार्थ अपने अपने क्षेत्रों में योग एवं ध्यान से जुड़े विभिन्न फल्लुओं को ग्रहण कर इसे जनसाधारण सुखमय

साथ ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। रिश्ता, पूजा, संजय, प्रज्ञा, निधि, निकिता, सीरभ, शैलेन्द्र उपेन्द्र, प्रह्लाद, आदि की उपस्थिति प्रमुख रही।

जीवन हेतु मनोकायिक तात्कालिक किया गया छात्राओं ने प्रथम ज्योति तृतीय यज्ञा ठाकुर ने मुद्रा किया। इस अपने मन को को विधाओं के लिए एक का संकल्प अंकित शर्मा सामूहिक कार्यक्रम एवं का मानसिक आयोजन वि जनों ने सराहा के सहायक